







- 1 A  
Ex.
- 2 D  
Ex. बेंजीन जिसका रासायनिक सूत्र  $C_6H_6$  होता है। एक कार्बनिक यौगिक है। स्वचालित वाहनों से उत्पन्न होने वाला उत्सर्जन, गैरेज में संगृहीत पेट्रोल तेल, तंबाकू का धुआं, कोयला, लकड़ी, गैस, मिट्टी का तेल तथा तरल पोट्रोलियम गैस (एलपीजी) आदि बेंजीन प्रदूषण उत्पन्न करते हैं।
- 3 B  
Ex. बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान – कर्नाटक  
राजाजी राष्ट्रीय उद्यान – उत्तराखंड  
सिमिलीपाल राष्ट्रीय उद्यान – ओडिशा  
मानस राष्ट्रीय उद्यान – असम
- 4 A  
Ex.
- 5 A  
Ex. राष्ट्रीय पर्यावरण नीति (2006)  
एनएपीसीसी (2008)  
एनजीटी अधिनियम (2010)
- 6 B  
Ex.
- 7 B  
Ex.
- 8 B  
Ex.
- 9 A  
Ex. नीलगिरी (1986) : भारत का पहला जीवमंडल अभ्यारण्य।  
मन्नार की खाड़ी (1989)  
सुंदरबन (1989)  
नंदा देवी (1988, लेकिन नीलगिरी के बाद आधिकारिक तौर पर 1988 में जीवमंडल अभ्यारण्य घोषित किया गया)।  
कालानुक्रमिक क्रम है: नीलगिरी – मन्नार की खाड़ी – सुंदरबन – नंदा देवी।
- 10 D  
Ex.
- 11 B  
Ex.
- 12 C  
Ex.
- 13 A  
Ex. जल अधिनियम (1974)  
वायु अधिनियम (1981)  
पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986)  
जैव विविधता अधिनियम (2002)
- 14 B  
Ex.
- 15 D  
Ex.
- 16 B  
Ex.
- 17 A  
Ex.

- 18 C  
Ex.
- 19 A  
Ex.
- 20 A  
Ex.
- 21 D  
Ex.
- 22 D  
Ex.
- 23 B  
Ex.
- 24 D  
Ex.
- 25 B  
Ex.
- 26 B  
Ex.
- 27 A  
Ex. ओजोन परत सूर्य के उच्च आवृत्ति के पराबैंगनी प्रकाश की 93–99 प्रतिशत मात्रा अवशोषित कर लेती है, जो पृथ्वी पर जीवन के लिए हानिकारक है। ओजोन परत के अभाव में पृथ्वी पर सूर्य की पराबैंगनी किरणों से जैविक जीवन को अत्यधिक क्षति पहुंचेगी इस दृष्टि से कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।
- 28 C  
Ex.
- 29 A  
Ex. महासागरों एवं तटीय पारिस्थितिक तंत्रों द्वारा प्रगृहीत कार्बन 'ब्लू कार्बन' कहलाता है। इस क्षेत्र में पाए जाने वाली सी वीड, प्लैंक्टनस तथा मैंग्रोव आदि कार्बन प्रगृहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए एक कार्बन सिंक का निर्माण करते हैं। ध्यातव्य है, कि इन तटवर्ती पारितंत्रों में कार्बन अवशोषण की क्षमता वनों से भी कहीं अधिक होती है।
- 30 D  
Ex. जिम कार्बेट – 1936  
कान्हा – 1955  
काजीरंगा – 1974  
साइलेंट वैली – 1984
- 31 C  
Ex. कार्बन मोनोऑक्साइड रक्त में घुलकर कोशिकीय श्वसन को बोधित करती है तथा यह हृदय, लीवर व किडनी को क्षति पहुंचाती है। नाइट्रोजन के ऑक्साइड मानव शरीर में कैसर उत्पन्न कर सकते हैं। धूल कणों से श्वास संबंधी रोग होते हैं, जबकि सीसा मानव मस्तिष्क और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।
- 32 B  
Ex.
- 33 B  
Ex.



